फर्द अहकाम

शान्तिदेवी बनाम हनुमान वगै०

न्यायालय

संख्या 07/09 बाजदायरी

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से	विशेष विवरण
21/6/18	आज यह पत्रावली न्याय आपके द्वार कैम्प कोर्ट ग्राम छबनोदा में पेश हुई। अप्रार्थी सं. 1 व 2 स्वयं उप० कथन हेतु समय चाहते है। पुनः न्यायहित में एक और अन्तिम अवसर दिया जाता है। पत्रावली वास्ते कथन दिनांक 22/6/18 को पेश हो।	लोक अदालत मुल्तवी
22/6/18	पत्रावली पेश हुई। व०क० उप०। वकील अप्रार्थी कथन हेतु समय चाहते है। पुनः न्यायहित में अवसर दिया जाता है कि आगामी पेशी पर कथन नहीं करने पर पत्रावली में गुणावगुण के आधार पर निर्णय कर दिया जावेगा। पत्रावली वास्ते कथन दिनांक 24/7/18 को पेश हो।	
24/7/18	पत्रावली पेश हुई। व०क० उप०। वकील प्रार्थी कथन हेतु समय चाहते है। वकील अप्रार्थी ने कथन किया कि दिनांक 12/3/15 को प्रा०पत्र का० मु० 1500/- अक्षरे पन्द्रह सौ रुपये पर भी कोर्ट फीस स्वीकार किया गया था किन्तु अभी तक कोर्ट फीस अदा नहीं की गई है। कोर्ट फीस अदा करने करने के बाद ही कथन करने का निवेदन किया गया। [illegible] वकील प्रार्थी का [illegible] आज प्रार्थी [illegible] पत्रावली [illegible] गया। प्रा० पत्र का० मु० [illegible] दिनांक [illegible]	

Signature Not Verified
Digitally signed by Seema Sharma
Date: 2021.07.07 16:50:52 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner

मु.नं. 07/09 शांतिदेवी vs हनुमानसहाय आदि

12/3/15 को 1500/- रुपये की कोस्ट पर स्वीकार किया गया है एवं कोस्ट राशि भी अदा नहीं की गई तथा न्यायालय आदेश की पालना नहीं आ रही है बहस हेतु पर्याप्त अवसर दिये जा चुके है न्यायहित में भी अवसर दिये जा चुके है जिसके बावजूद भी बहस नहीं की जा रही है जिससे यह प्रतीत होता है कि प्रार्थिया प्रा०पत्र को आगे चलाने की इच्छुक नहीं है अनावश्यक प्रकरण में विलम्ब किया जा रहा है अतः प्रा०पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है प्रा० पत्र खारिज किया जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम होकर तथा दाखिल दफ्तर हो।

सहायक कलक्टर
चौमूं (जयपुर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Seema Sharma
Date: 2021.07.07 16:50:52 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner